केन्द्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, भुवनेश्वर

ZONAL INSTITUTE OF EDUCATION & TRAINING, BHUBANESWAR

दीक्षण

तिमाही ई-पत्रिका (जनवरी-मार्च 2026)

हमारे संरक्षक

थीम:
"चरित्रवान युवा, सशक्त भारत"

श्री विकास गुप्ता, भा. प्र. से.
आयुक्त
के. वी. सं. मुख्यालय

श्री डी. मणिवण्णन
संयुक्त आयुक्त (प्रशिक्षण)
के. वी. सं. मुख्यालय

डॉ अनुराग यादव
उपायुक्त एवं निदेशक
के. वी. सं. जीट भुवनेश्वर

Website: http://www.zietbhubaneswar.kvs.gov.in
Blog: https://zietbbsronline.blogspot.com
https://www.facebook.com/ziet.bhubaneswar.9
https://twitter.com/zietbhubaneswar

निदेशक की कलम से.........

हमारे त्रैमासिक ई-न्यूज़लेटर 'दीक्षण' के इस अंक को प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है । यह अंक जनवरी से मार्च 2026 तिमाही के दौरान हमारे संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण और अन्य गतिविधियों की झलक प्रस्तुत करता है । हमारे कार्यक्रमों का उद्देश्य, केन्द्रीय विद्यालय संगठन के दिशानिर्देशों के अनुरूप शिक्षकों की व्यावसायिक दक्षताओं को सुदृढ़ करना तथा कक्षाओं में नवाचारपूर्ण और विद्यार्थी-केन्द्रित शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देना है ।

इस तिमाही में संस्थान द्वारा केन्द्रीय विद्यालय संगठन के शिक्षकों के अलावा परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालयों के लगभग 240 शिक्षकों (प्राथमिक शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों और प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक -अंग्रेजी) के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इन पहलों का उद्देश्य शिक्षण कौशल को सुदृढ़ करना, अनुभवात्मक अधिगम को प्रोत्साहित करना तथा समकालीन शैक्षिक सुधारों के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग प्रदान करना रहा।

शिक्षकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी और प्रतिबद्धता हमारे उस साझा लक्ष्य को दर्शाती है, जिसके माध्यम से हम शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और प्रत्येक बच्चे के लिए सार्थक अधिगम अनुभव सुनिश्चित करना चाहते हैं।

यह न्यूज़लेटर इन प्रयासों तथा हमारे शैक्षणिक समुदाय की सहयोगात्मक भावना की झलक प्रस्तुत करता है । इन कार्यक्रमों की सफलता में योगदान देने वाले सभी संकाय सदस्यों, संसाधकों, अतिथि वक्ताओं और प्रतिभागियों के प्रति मैं हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ । मुझे आशा है कि यह अंक हमारे शैक्षिक प्रयासों में निरंतर सीखने, चिंतन और नवाचार के लिए प्रेरित करेगा।

धन्यवाद,

डॉ. अनुराग यादव
निदेशक

संपादक–मंडल

श्री डी. विक्रम कुमार वर्मा
प्रशिक्षण सहयोगी (प्राथमिक)

श्री राजेश कुमार गड़तीया
प्रशिक्षण सहयोगी (प्राथमिक)

चरित्रवान युवा, सशक्त भारत

(स्वामी विवेकानंद जी की शिक्षाओं पर आधारित)

भारत एक युवा देश है। आज हमारे देश की बड़ी जनसंख्या युवाओं की है, और यही युवा भारत के भविष्य के निर्माता हैं। यदि युवा चरित्रवान, आत्मविश्वासी, अनुशासित और राष्ट्र के प्रति समर्पित हों, तो भारत निश्चित रूप से एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र बन सकता है। "चरित्रवान युवा, सशक्त भारत" का विचार केवल एक नारा नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण की एक महत्वपूर्ण आधारशिला है। इस संदर्भ में स्वामी विवेकानंद जी की शिक्षाएँ अत्यंत प्रासंगिक और प्रेरणादायक हैं।

स्वामी विवेकानंद जी ने हमेशा युवाओं को जागृत करने और उनमें आत्मविश्वास भरने का प्रयास किया। उनका विश्वास था कि यदि युवा अपने चरित्र, आत्मबल और नैतिक मूल्यों को मजबूत करें, तो वे किसी भी कठिनाई का सामना कर सकते हैं और राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा था – "उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।" यह संदेश केवल व्यक्तिगत सफलता के लिए ही नहीं, बल्कि राष्ट्र की प्रगति के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

चरित्र निर्माण स्वामी विवेकानंद जी की शिक्षाओं का प्रमुख आधार था। उनका मानना था कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं है, बल्कि व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करना है। उन्होंने कहा था कि ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है जो व्यक्ति में आत्मविश्वास, नैतिकता, साहस और सेवा भावना का विकास करे। जब युवा इन गुणों से युक्त होंगे, तब वे समाज और राष्ट्र के लिए सकारात्मक परिवर्तन ला सकेंगे।

आज के समय में युवाओं के सामने अनेक चुनौतियाँ हैं—भौतिकवाद, प्रतिस्पर्धा, सामाजिक दबाव और डिजिटल दुनिया का प्रभाव। इन परिस्थितियों में युवाओं का मार्गदर्शन अत्यंत आवश्यक है। स्वामी विवेकानंद जी की शिक्षाएँ युवाओं को यह सिखाती हैं कि जीवन में सफलता पाने के लिए केवल बुद्धि ही नहीं, बल्कि मजबूत चरित्र और आत्मसंयम भी आवश्यक है। उन्होंने कहा था कि "एक विचार लो, उसी विचार को अपना जीवन बना लो, उसी के बारे में सोचो, उसी का सपना देखो और उसी पर जियो।" यह शिक्षा युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देती है।

स्वामी विवेकानंद जी ने युवाओं को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से मजबूत बनने की प्रेरणा दी। उनका मानना था कि एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए सशक्त युवा आवश्यक हैं। उन्होंने युवाओं से कहा था कि वे अपने भीतर की शक्ति को पहचानें और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। उनका यह भी कहना था कि "तुम अनंत शक्ति के धनी हो, केवल अपने आप पर विश्वास करो।"

चरित्रवान युवा, सशक्त भारत

(क्रमशः)

चरित्रवान युवा केवल अपने व्यक्तिगत विकास तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए भी समर्पित होते हैं। सेवा, करुणा और सहयोग की भावना समाज को मजबूत बनाती है। स्वामी विवेकानंद जी ने मानव सेवा को ईश्वर सेवा के समान माना। उनका मानना था कि जब युवा समाज के कमजोर और जरूरतमंद लोगों की सहायता करते हैं, तब वे सच्चे अर्थों में राष्ट्र निर्माण का कार्य करते हैं।

आज भारत के सामने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, तकनीकी विकास और सामाजिक समरसता जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं, जिनमें युवाओं की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। यदि युवा अपने ज्ञान, कौशल और ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करें, तो भारत न केवल आर्थिक रूप से बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी मजबूत बन सकता है।

स्वामी विवेकानंद जी ने युवाओं को हमेशा सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने यह भी कहा था कि भय मनुष्य की सबसे बड़ी कमजोरी है। यदि युवा निडर होकर अपने कर्तव्यों का पालन करें और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझें, तो वे भारत को विश्व में एक आदर्श राष्ट्र बना सकते हैं।

"चरित्रवान युवा, सशक्त भारत" का सपना तभी साकार हो सकता है जब युवा अपने जीवन में सत्य, ईमानदारी, अनुशासन और परिश्रम जैसे मूल्यों को अपनाएँ। स्वामी विवेकानंद जी की शिक्षाएँ हमें यही सिखाती हैं कि सच्ची शक्ति बाहरी साधनों में नहीं, बल्कि हमारे भीतर के चरित्र और आत्मबल में होती है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत का भविष्य उसके युवाओं के हाथ में है। यदि युवा अपने चरित्र को मजबूत बनाएँ, अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें और राष्ट्र की सेवा को अपना कर्तव्य समझें, तो भारत निश्चित रूप से एक सशक्त, समृद्ध और महान राष्ट्र बनेगा। स्वामी विवेकानंद जी के विचार आज भी युवाओं के लिए प्रकाश स्तंभ के समान हैं, जो उन्हें सही दिशा दिखाते हैं और राष्ट्र निर्माण के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

इस प्रकार, चरित्रवान युवा ही सशक्त भारत की सच्ची पहचान बन सकते हैं।

विश्वनाथ जायसवाल
प्रशिक्षण सहयोगी (वाणिज्य)

लोग तुम्हारी स्तुति करें या निंदा, तुम न्यायपथ से कभी भ्रष्ट न हो।

- स्वामी विवेकानंद

प्रशिक्षण पर एक नजर
Trainings at a glance

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	प्रतिभागियों की संख्या
1	12 से 16 जनवरी 2026 12 to 16 January 2026	'मानसिक और शारीरिक कल्याण के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाने मे शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की क्षमता निर्माण' पर प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (पी एंड एच ई) हेतु कार्यशाला (समूह-1) Workshop on 'Capacity Building of Physical Education Teachers in Empowering Students through Mental & Physical Well-being' (Batch-1)	48
2	19 से 23 जनवरी 2026 19 to 23 January 2026	'मानसिक और शारीरिक कल्याण के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाने मे शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की क्षमता निर्माण' पर पर प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (पी एंड एच ई) हेतु कार्यशाला (समूह-2) Workshop on 'Capacity Building of Physical Education Teachers in Empowering Students through Mental & Physical Well-being' (Batch-2)	48
3	19 से 23 जनवरी 2026 19 to 23 January 2026	'NEP 2020 के साथ संरेखित कला शिक्षा में प्रौधयोगिकी और रचनात्मकता का सम्मिश्रण' विषय पर प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (कला शिक्षा) हेतु कार्यशाला (समूह-1) Workshop on 'Blending Technology and Creativity in Art Education Aligning with NEP 2020' (Batch-1)	47
4	27 से 29 जनवरी 2026 27 to 29 January 2026	'आधारभूत और प्रारंभिक चरणों में शैक्षणिक नेतृत्व' विषय पर परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालयों और के. वि. के प्रधानाध्यापकों हेतु कार्यशाला Workshop on 'Pedagogical Leadership in Foundational and Preparatory Stages'	35
5	29 और 30 जनवरी 2026 29 & 30 January 2026	'प्रारंभिक और मध्य चरण में पढ़ने के कौशल का विकास' विषय पर पुस्तकालयाध्यक्षों हेतु ऑनलाइन कार्यशाला Workshop on 'Developing Reading Skills in Preparatory and Middle Stages' ONLINE	55
6	02 से 06 फरवरी 2026 02 to 06 February 2026	'कक्षा में ICT टूल्स की क्षमता का इस्तेमाल करके प्राथमिक शिक्षकों को सशक्त बनाना' विषय पर प्राथमिक शिक्षकों हेतु कार्यशाला Workshop on 'Empowering PRTs - Unlocking the potential of ICT tools in the Classroom'	49
7	02 से 06 फरवरी 2026 02 to 06 February 2026	'व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाने में कार्यानुभव शिक्षकों की क्षमता निर्माण" पर प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (कार्यानुभव) हेतु कार्यशाला (समूह 1) Workshop on 'Capacity Building of Work Experience Teachers in Empowering Students through Vocational Education & Skill Development' (Batch-1)	50

प्रशिक्षण पर एक नजर
Trainings at a glance

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	प्रतिभागियों की संख्या
8	09 से 13 फरवरी 2026 09 to 13 February 2026	'आधारभूत और प्रारम्भिक चरणों में आंदमय शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए शिक्षण पद्धतियाँ ' पर परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालयों के प्राथमिक शक्षकों हेतु कार्यशाला (समूह-1) Workshop for PRTs of Atomic Energy Central Schools on 'Pedagogical Approaches for fostering joyful learning in Foundational & Preparatory Stages' (Batch-1)	45
9	09 से 13 फरवरी 2026 09 to 13 February 2026	'NEP 2020 के साथ संरेखित कला शिक्षा में प्रौधयोगिकी और रचनात्मकता का सम्मिश्रण' विषय पर प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (कला शिक्षा) हेतु कार्यशाला (समूह-2) Workshop on 'Blending Technology and Creativity in Art Education Aligning with NEP 2020' (Batch-2)	48
10	16 से 20 फरवरी 2026 16 to 20 February 2026	'आधारभूत और प्रारम्भिक चरणों में आंदमय शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए शिक्षण पद्धतियाँ ' पर परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालयों के प्राथमिक शक्षकों हेतु कार्यशाला (समूह-2) Workshop for PRTs of Atomic Energy Central Schools on 'Pedagogical Approaches for fostering joyful learning in Foundational & Preparatory Stages' (Batch-2)	41
11	16 से 20 फरवरी 2026 16 to 20 February 2026	'ई-ग्रंथालय 4.0 के आयोजन और प्रबंधन मे पुस्तकालयाध्यक्षों की क्षमता वृद्धि' पर पुस्तकालयाध्यक्षों हेतु कार्यशाला Workshop on 'Capacity Enhancement of Librarians in Organizing and Managing e-Granthalaya 4.0" (Batch-2)	45
12	23 से 27 फरवरी 2026 23 to 27 February 2026	'आधारभूत और प्रारम्भिक चरणों में आंदमय शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए शिक्षण पद्धतियाँ ' पर परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालयों के प्राथमिक शक्षकों हेतु कार्यशाला (समूह-3) Workshop for PRTs of Atomic Energy Central Schools on 'Pedagogical Approaches for fostering joyful learning in Foundational & Preparatory Stages' (Batch-3)	47
13	23 से 27 फरवरी 2026 23 to 27 February 2026	'योग्यता आधारित शिक्षण पद्धति के माध्यम से अंग्रेजी शिक्षण को बढ़ावा देना' पर परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (अंग्रेजी) हेतु कार्यशाला Workshop for TGTs (Eng) of Atomic Energy Central Schools on 'Enhancing English Teaching through Competency Based Learning Approach'	37
14	09 से 13 मार्च 2026 09 to 13 March 2026	'एनईपी 2020 के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए संगीत शिक्षकों की क्षमता निर्माण' पर प्राथमिक शिक्षक (संगीत) हेतु कार्यशाला (समूह-2) Workshop for PRTs (Music) on 'Capacity Building of Music Teachers for effective implementation of NEP-2020' (Batch-2)	39

प्रशिक्षण पर एक नजर
Trainings at a glance

क्र.सं.	दिनांक	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	प्रतिभागियों की संख्या
15	09 से 13 मार्च 2026 09 to 13 March 2026	'व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाने में कार्यानुभव शिक्षकों की क्षमता निर्माण" पर प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (कार्यानुभव) हेतु कार्यशाला (समूह 2) Workshop on 'Capacity Building of Work Experience Teachers in Empowering Students through Vocational Education & Skill Development' (Batch-2)	44
16	10 और 11 मार्च 2026 10 & 11 March 2026	'समावेशी शिक्षा' पर प्राथमिक शिक्षकों हेतु आनलाईन कार्यशाला (समूह-4) Workshop for PRTs on 'Inclusive Education' (Batch-4) ONLINE	57
17	16 से 20 मार्च 2026 16 to 20 March 2026	'आधारभूत और प्रारम्भिक चरणों में आंदमय शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए शिक्षण पद्धतियाँ ' पर परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालयों के प्राथमिक शक्षकों हेतु कार्यशाला (समूह-4) Workshop for PRTs of Atomic Energy Central Schools on 'Pedagogical Approaches for fostering joyful learning in Foundational & Preparatory Stages' (Batch-4)	45

प्रशिक्षण सहयोगियों का सतत व्यावसायिक विकास
Continuous Professional Development of Training Associates

❖ *श्री बिश्व बाग, प्रशिक्षण सहयोगी (पुस्तकालय) ने हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (HIPA), गुरुग्राम में भारत सरकार के DoPT द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण डिजाइन (DoT) पाठ्यक्रम को 19 से 23 जनवरी 2026 तक सफलतापूर्वक पूरा किया।*

संस्थान की गतिविधियां

प्रशिक्षण कक्ष-2 का नवीनीकरण / Renovation of Training Hall-2

बेहतर और सुखद प्रशिक्षण अनुभव के लिए संस्थान के प्रशिक्षण कक्ष - 2 का नवीनीकरण किया गया और के.वि.सं. मुख्यालय से प्राप्त एक नया इंटरैक्टिव पैनल स्थापित किया गया है।

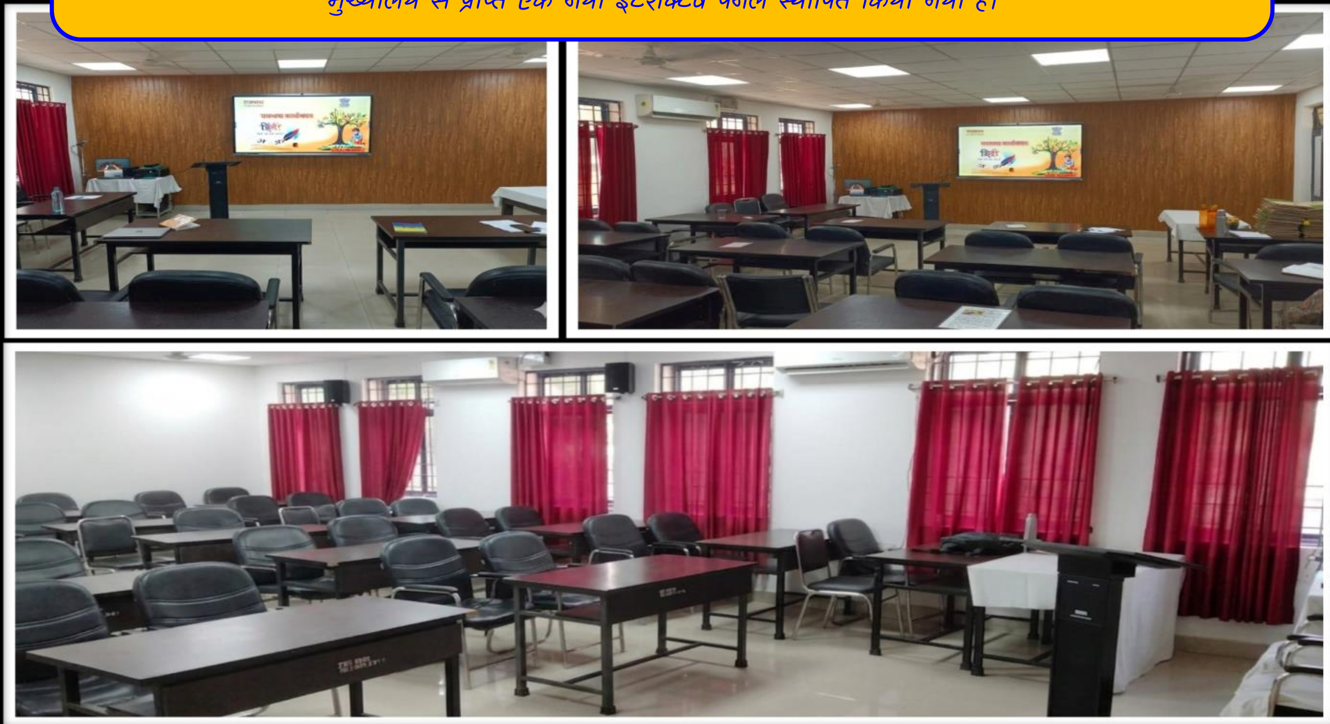

गणतंत्र दिवस समारोह (26 जनवरी 2026)

संस्थान में कर्मचारियों द्वारा 77वां गणतंत्र दिवस भव्य तरीके से मनाया गया और राष्ट्र के स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

संस्थान की गतिविधियाँ

शहीद दिवस / Shaheed Diwas (30th January 2026)

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में 30 जनवरी 2026 को राष्ट्रीय शहीद दिवस मनाया गया। सुबह 11 बजे संस्थान के कर्मचारियों ने राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा।

ई-ऑफिस मॉड्यूल पर आंतरिक प्रशिक्षण / In-house Training on e-Office (27th March 2026)

संस्थान के सभी कर्मचारियों के लिए 27 मार्च 2026 को ई-ऑफिस मॉड्यूल के बारे में एक आंतरिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। इस सत्र में ई-ऑफिस पर काम करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया।

संस्थान की गतिविधियां

माननीय आयुक्त महोदय का आगमन / Commissioner’s Visit (26th Feb. 2026)

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के माननीय आयुक्त महोदय श्री विकास गुप्ता – भा.प्र.से. , ने संस्थान का दौरा किया और कर्मचारियों से बातचीत की । उन्होंने शिक्षकों के व्यावसायिक विकास में प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया और प्रशिक्षण टीम को हितधारकों की आवश्यकता के अनुसार गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया।

संस्थान की गतिविधियां

राजभाषा कार्यशाला / Rajbhasha Workshop
(06th March 2026)

संस्थान के कर्मचारियों हेतु जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के अंतर्गत एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन दिनांक 06 मार्च 2026 को प्रशिक्षण कक्ष-2 में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ राजभाषा प्रभारी द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. अनुराग यादव, निदेशक, आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, भुवनेश्वर एवं प्रतिभागियों के स्वागत के साथ हुआ।
प्रथम सत्र में श्री शंकर्षण जेना ने "राजभाषा नीति, नियम और संवैधानिक प्रावधान" विषय पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने राजभाषा अधिनियम, 1963 एवं राजभाषा नियम, 1976 के प्रमुख प्रावधानों, द्विभाषी दस्तावेजों की अनिवार्यता तथा सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग से संबंधित नियमों पर प्रकाश डाला।

द्वितीय सत्र में श्री राजेश कुमार गडतिया ने "भारती: बहुभाषी अनुवाद सारथी सॉफ्टवेयर" के उपयोग, विशेषताओं एवं लाभों की जानकारी दी तथा अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि यह सॉफ्टवेयर सरकारी कार्यों में त्वरित एवं सटीक अनुवाद हेतु उपयोगी है। तृतीय सत्र में प्रतिभागियों ने 'भारती' सॉफ्टवेयर का व्यावहारिक अभ्यास किया, जिससे उन्हें प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के प्रयोग हेतु इसकी उपयोगिता की बेहतर समझ प्राप्त हुई।

प्रशिक्षण की झलकियां

12 से 16 जनवरी : 'मानसिक और शारीरिक कल्याण के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाने मे शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की क्षमता निर्माण' पर प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (पी एंड एच ई) हेतु कार्यशाला

19 से 23 जनवरी : 'मानसिक और शारीरिक कल्याण के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाने मे शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की क्षमता निर्माण' पर पर प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (पी एंड एच ई) हेतु कार्यशाला (समूह-2)

प्रशिक्षण की झलकियां

19 से 23 जनवरी : 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ संरेखित कला शिक्षा में प्रौधयोगिकी और रचनात्मकता का सम्मिश्रण' विषय पर प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (कला शिक्षा) हेतु कार्यशाला (समूह-1)

27 से 29 जनवरी : 'आधारभूत और प्रारंभिक चरणों में शैक्षणिक नेतृत्व' विषय पर परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालयों और के.वि. के प्रधानाध्यापकों हेतु कार्यशाला

प्रशिक्षण की झलकियां

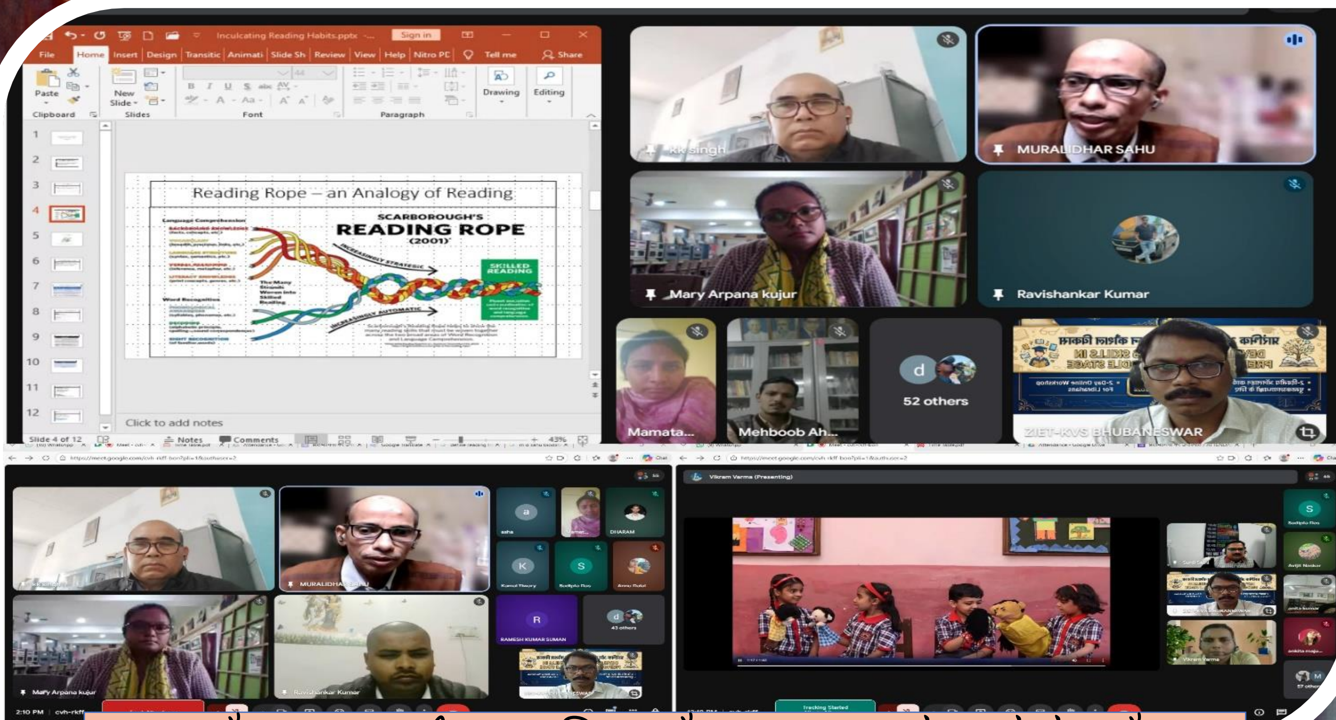

29 और 30 जनवरी : 'प्रारंभिक और मध्य चरण में पढ़ने के कौशल का विकास' विषय पर पुस्तकालयाध्यक्षों हेतु ऑनलाइन कार्यशाला

02 से 06 फरवरी : 'कक्षा में ICT टूल्स की क्षमता का इस्तेमाल करके प्राथमिक शिक्षकों को सशक्त बनाना' विषय पर प्राथमिक शिक्षकों हेतु कार्यशाला

प्रशिक्षण की झलकियां

02 से 06 फरवरी : 'व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाने में कार्यानुभव शिक्षकों की क्षमता निर्माण" पर प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (कार्यानुभव) हेतु कार्यशाला (समूह I)

09 से 13 फरवरी 'आधारभूत और प्रारम्भिक चरणों में आंदमय शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए शिक्षण पद्धतियाँ' पर परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालयों के प्राथमिक शक्षकों हेतु कार्यशाला (समूह-I)

प्रशिक्षण की झलकियां

09 से 13 फरवरी : 'NEP 2020 के साथ संरेखित कला शिक्षा में प्रौधयोगिकी और रचनात्मकता का सम्मिश्रण' विषय पर प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (कला शिक्षा) हेतु कार्यशाला (समूह-2)

16 से 20 फरवरी : 'आधारभूत और प्रारम्भिक चरणों में आंदमय शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए शिक्षण पद्धतियाँ' पर परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालयों के प्राथमिक शक्षकों हेतु कार्यशाला (समूह-2)

प्रशिक्षण की झलकियां

16 से 20 फरवरी : 'ई-ग्रंथालय 4.0 के आयोजन और प्रबंधन मे पुस्तकालयाध्यक्षों की क्षमता वृद्धि' पर पुस्तकालयाध्यक्षों हेतु कार्यशाला

प्रशिक्षण की झलकियां

23 से 27 फरवरी : 'आधारभूत और प्रारम्भिक चरणों में आंदमय शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए शिक्षण पद्धतियाँ ' पर परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालयों के प्राथमिक शक्षकों हेतु कार्यशाला (समूह-3)

23 से 27 फरवरी : 'योग्यता आधारित शिक्षण पद्धति के माध्यम से अंग्रेजी शिक्षण को बढ़ावा देना' पर परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (अंग्रेजी) हेतु कार्यशाला

प्रशिक्षण की झलकियां

09 से 13 मार्च : ‘राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए संगीत शिक्षकों की क्षमता निर्माण’ पर प्राथमिक शिक्षक (संगीत) हेतु कार्यशाला (समूह-2)

09 से 13 मार्च : 'व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाने में कार्यानुभव शिक्षकों की क्षमता निर्माण” पर प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (कार्यानुभव) हेतु कार्यशाला (समूह 2)

प्रशिक्षण की झलकियां

10 और 11 मार्च : 'समावेशी शिक्षा' पर प्राथमिक शिक्षकों हेतु आनलाईन कार्यशाला (समूह-5)

16 से 20 मार्च : 'आधारभूत और प्रारम्भिक चरणों में आंदमय शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए शिक्षण पद्धतियाँ' पर परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालयों के प्राथमिक शिक्षकों हेतु कार्यशाला (समूह-5)

हर दीवार की अपनी कहानी
Walls tell Stories

आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, भुवनेश्वर की दीवारों पर कला शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षणों के दौरान बनाए गए भित्ति चित्र, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया से संबंधित हैं, आधुनिक शैक्षिक दर्शन और व्यवहार के सशक्त दृश्य निरूपण के रूप में कार्य करती हैं। इन चित्रों ने संस्थान को एक जीवंत शिक्षण स्थल में परिवर्तित किया है जो शिक्षकों और प्रशिक्षुओं को लगातार महत्वपूर्ण विचारों से अवगत कराता है । इन चित्रों में एनईपी 2020 के मूल सिद्धांतों को दर्शाया गया है, जैसे कि समग्र पाँच कोश विकास, अनुभवात्मक अधिगम, समावेशिता और योग्यता-आधारित शिक्षा ।

These wall murals act as continuous visual reminders and inspiration for trainees and educators, reinforcing progressive teaching practices and helping to create an environment that embodies the spirit of NEP 2020—engaging, inclusive, and future-ready.

प्रतिभागियों के विचार.../Participants Speak...

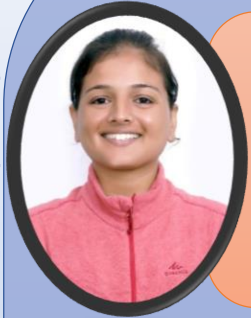

'मानसिक और शारीरिक कल्याण के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाने मे शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की क्षमता निर्माण' पर दिनांक दिनांक 12 से 16 जनवरी 2026 तक आयोजित 05-दिवसीय कार्यशाला अत्यंत ज्ञानवर्धक और उपयोगी रही। कार्यशाला मे न केवल मेरे विषय संबंधी ज्ञान को बढ़ाया बल्कि एक शारीरिक शिक्षा शिक्षिका के रूप में मेरे व्यावहारिक क्षमता को भी मजबूत किया । खेल मनोविज्ञान, फिक्स्चर और टूर्नामेंट, ट्रैक मार्किंग, प्रथम-उपचार एवं सी पी आर, किशोरावस्था की समस्याएं, पोकसों और पोष अधिनियम, योग, प्राणायाम और मनोरंजक खेलों जैसे विषयों पर दी गई प्रशिक्षण ने मेरे दृष्टिकोण को स्पष्ट और प्रभावी बनाया । यह प्रशिक्षण मेरे व्यावसायिक विकास के लिए अत्यंत लाभकारी, प्रेरणादायक और सार्थक सिद्ध हुआ ।

सुश्री अमिता दुबे, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका (पी एण्ड एच ई), पीएम श्री के.वि. अस्का (भुवनेश्वर संभाग)

The workshop for the HMs of AEES and KVS on 'Pedagogical leadership in Foundational & Preparatory Stages' organized by ZIET, Bhubaneswar from 27th January to 29th January 2026 was profoundly rewarding, refreshing and recreating. To the delight of all participants, the resource persons and training associates of ZIET Bhubaneswar were scholarly and engaging; elegant and graceful all throughout the workshop. Undoubtedly, ZIET, Bhubaneswar planned and executed the workshop for the HMs of AEES and KVS immaculately. The workshop unambiguously emphasized the significance of training the academicians in order to put them on the pedestals of NEP, 2020 as they have to play an effective role in shaping the young minds of Bharat.

Shri. M V Sainatha Chakravarthi, Headmaster, Atomic Energy Central School, Mysore

'व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाने में कार्यानुभव शिक्षकों की क्षमता निर्माण' पर दिनांक 02 से 06 फरवरी 2026 तक आयोजित 05-दिवसीय कार्यशाला अत्यंत उपयोगी, प्रभावी एवं प्रेरणादायी रही। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को व्यावसायिक शिक्षा की नवीन अवधारणाओं, कौशल-आधारित शिक्षण, अनुभवात्मक अधिगम, बहुआयामी मूल्यांकन तथा छात्र-केंद्रित गतिविधियों के माध्यम से शिक्षण को अधिक व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बनाने के लिए सशक्त किया गया। विभिन्न सत्रों में व्यावहारिक गतिविधियाँ, समूह-चर्चाएँ, परियोजना-आधारित अधिगम एवं कौशल प्रदर्शन ने शिक्षकों में आत्मविश्वास और नवाचार की भावना को बढ़ावा दिया। कार्यशाला के दौरान शिक्षकों ने यह अनुभव किया कि कार्यानुभव शिक्षा केवल एक विषय न होकर विद्यार्थियों के समग्र विकास, आत्मनिर्भरता तथा भविष्य के कैरियर निर्माण का सशक्त माध्यम है। समग्र रूप से यह कार्यशाला शिक्षकों के दृष्टिकोण, दक्षता और शैक्षणिक गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सफल रही।

श्री अंकित कुमार सिंह, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक(कार्यानुभव),पीएम श्री के.वि. जगतसिंगपुर

I have attended a workshop on 'Pedagogical approaches for fostering joyful learning in Foundational and Preparatory Stages' from 09 to 13 February 2026 at ZIET Bhubaneswar. It was a much needed workshop as many of us did not know how to translate the vision of NEP-2020 into action. The sessions effectively connected the policy with practical strategies. I have experienced the true spirit of joyful learning during the sessions by the learned resource persons. The 05 days were filled with activity and joy. By the end of the workshop, the participants could recognize that the joyful experiential learning that they experienced could be effectively applied in their own classrooms. A huge 'thank you' to our resource persons for infusing their sessions with energy and passion.

Mrs. Priya Sreekumaran, PRT, Atomic Energy Central School, Kudankulam

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ संरेखित कला शिक्षा में प्रौद्योगिकी और रचनात्मकता का सम्मिश्रण' विषय पर दिनांक दिनांक 09 से 13 फरवरी 2026 तक आयोजित 05-दिवसीय कार्यशाला में मुझे भाग लेने का अवसर मिला। यह प्रशिक्षण मुझे बहुत ही सरल और सहज लगा । पाठ्यक्रम निदेशक द्वारा समय-समय पर हमारे कार्य को प्रोत्साहित करना हमारे आत्मबल को विकसित करने और बेहतर कार्य करने में सहायक सिद्ध हुआ । कार्यशाला के संसाधकों ने बहुत अच्छे से सत्रों का संचगालन किया और कला शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं से हमे अवगत कराया। निश्चित ही यह अनुभव हमे भविष्य में कला कक्षा में छात्रों के कौशल विकास को बढ़ावा देने में सहायक रहेगा ।

श्रीमती सुनंदिनी यादव, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका (कला शिक्षा), पीएम श्री के.वि. चतरा (राँची संभाग)

प्रतिभागियों के विचार.../Participants Speak...

The 05-Day workshop on 'Pedagogical approaches for fostering joyful learning in Foundational and Preparatory Stages' organized from 16 to 20 February 2026, served as a powerful catalyst for refreshing our understanding of pedagogical approaches to be adopted in the early years of schooling. This workshop provided a great opportunity to deliberate upon the shift from 'Chalk and Talk' boundaries to a 'Vibrant, Child Centric' learning atmosphere. The learning outcomes, pedagogical approaches and assessment strategies discussed during the workshop would definitely help all the teachers to transform schooling for the tiny tots into an exploratory journey.

Shri. Nikhil Surendra Hatwalane, PRT, Atomic Energy Central School, Kaiga

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, भुवनेश्वर के तत्वावधान मे 'ई-ग्रंथालय 4.0 के आयोजन और प्रबंधन में पुस्तकालयाध्यक्षों की क्षमता वृद्धि' पर दिनांक 16 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित 05 दिवसीय कार्यशाला मे मुझे भाग लेने का अमूल्य अवसर मिला । पुस्तकालय संसाधनों का प्रभावी प्रबंधन, डिजिटल पुस्तकालय और ई-संसाधनों का उपयोग, रिकार्ड संधारण एवं वर्गीकरण की नवीन तकनीकें, नेतृत्व एवं टीम-प्रबंधन कौशल जैसे प्रमुख विषयों पर सत्रों से हमे आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त हुई और हमारे पुस्तकालय संचालन के दक्षता मे वृद्धि हुई । संसाधकों और अतिथि वक्ताओं के सत्र अत्यंत ज्ञानवर्धक और उत्कृष्ट रहे । कुल मिलाकर यह कार्यशाला हमारे व्यावसायिक उत्थान के लिए लाभदायक सिद्ध हुआ ।

श्री कालीनाथ झा, पुस्तकालयाध्यक्ष, के.वि. दुमका (राँची संभाग)

The workshop on 'Pedagogical approaches for fostering joyful learning in Foundational and Preparatory Stages' from 23 to 27 February 2026, transformed my perspective as a teacher. I have learned that joyful learning is rooted in play-based, activity-based and child-centered approaches. Through group activities, discussions and hands-on sessions, I realized the importance of creating an inclusive, engaging and supportive classroom environment. I am now equipped with practical strategies and strong commitment to make my class a space where children learn with happiness, curiosity and confidence.

Ms. Baby Rani, PRT, Atomic Energy Central School No.3, Rawatbhata

दिनांक 09 से 13 मार्च 2026 तक संगीत शिक्षकों के लिए आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम बहुत ही जानकारीपूर्ण और ज्ञानवर्धक रहा। विशेषज्ञों और अतिथि वक्ताओं द्वारा आयोजित सत्र बहुत ही आकर्षक, आनंददायक और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विचारों को संगीत शिक्षण में कैसे शामिल किया जाए, यह समझने में सहायक थे। वक्ताओं ने अवधारणाओं को स्पष्ट रूप से समझाया और सभी प्रशिक्षार्थियों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया। कुल मिलाकर, कार्यशाला एक शानदार सीखने का अनुभव था और निश्चित रूप से हमारी शिक्षण पद्धतियों को बेहतर बनाने में हमारी मदद करेगी।

श्रीमती दीपामोनी बोरा, प्राथमिक शिक्षिका (संगीत), केन्द्रीय विद्यालय डिब्रूगढ़ (तिनसुकिया संभाग)

'आधारभूत और प्रारम्भिक चरणों मे आनंदपूर्ण शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक पद्धतियाँ' विषय पर जीट भुवनेश्वर में दिनांक 16 से 20 मार्च 2026 तक आयोजित 5-दिवसीय कार्यशाला अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक रहा । इस प्रशिक्षण के माध्यम से हमे नई शिक्षण विधियों, तकनीकों और प्रभावी कक्षा प्रबंधन की जानकारी मिली। प्रशिक्षकों ने विभिन्न विषयों को सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया । प्रशिक्षण के दौरान दिए गए सभी उदाहरण और गतिविधियां बहुत ही रोचक और व्यावहारिक थी जो कक्षा मे लागू करने योग्य हैं ।

श्रीमती सरिता सिंह, प्राथमिक शिक्षिका, परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय, काकरपार

अनुभव ही जगत में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है ।

- स्वामी विवेकानंद

जितना बड़ा संघर्ष होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी। - स्वामी विवेकानंद

उठो, जागो और तबतक न रुको,
जब तक तुम अपना लक्ष्य प्राप्त नहीं कर लेते।
- स्वामी विवेकानंद

Website: http://www.zietbhubaneswar.kvs.gov.in
Blog: https://zietbbsronline.blogspot.com
https://www.facebook.com/ziet.bhubaneswar.9
https://twitter.com/zietbhubaneswar